तारीख 08 दिसम्बर 2013

विधानसभा चुनाव परिणाम–लोकसभा चुनाव 2014 की डगर

अरुण जेटली

राज्य सभा में विपक्ष के नेता

चार राज्यों की विधानसभा चुनावों के परिणाम आज घोषित कर दिए गए। भाजपा चुनाव परिणामों से संतुष्ट है। भाजपा के लिए मध्य प्रदेश सुशासन का एक मॉडल है। इस राज्य का प्रतिनिधित्व शिवराज सिंह चौहान करते हैं जिन्होंने इसे बीमारु राज्य के दर्जे से निकालकर विकास के रास्ते पर ला दिया है। इसका सड़क नेटवर्क भी काफी हद तक बढ़ा है और सामाजिक योजनाएं भी बेहद सफल रही हैं। पार्टी लगातार तीसरी बार चुनावों में सफल हुई और उसने सत्ता विरोधी लहर की संभावना को खारिज कर दिया है।

मध्य प्रदेश से निकालकर छत्तीसगढ़ राज्य बनाया गया जहां भाजपा परम्परागत तरीके से कभी मजबूत नहीं रही। पार्टी ने अपनी मजबूती को बनाए रखा और लगातार तीसरी बार सत्ता बनाने की स्थिति में है। अगर ये दोनों राज्य सरकारें 2018 तक रहीं, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में 1998 के बाद यानी 20 साल बाद कांग्रेस को विजय देखने को मिलेगी।

भाजपा के लिए राजस्थान की विजय सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। वसुन्धरा राजे के नेतृत्व को लोगों ने बड़े पैमाने पर स्वीकार किया। राज्य में प्रचार के बाद मैंने जिक्र किया था कि भाजपा का प्रचार रोमांचित कर देने वाला था। एक बड़े राज्य में भाजपा की यह सबसे ज्यादा बहुमत से विजय है। हमने कुल सीटों का 82 प्रतिशत सीटें जीती।

दिल्ली में हांलाकि हम सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरे हैं और बहुमत के करीब हैं, लेकिन परिणाम हमारी अपेक्षाओं से कम हैं। हमने जितनी सीटें जीती हैं उससे कम से कम 5–6 सीट ज्यादा की उम्मीद की थी। अपने पहले चुनाव में बढ़िया प्रदर्शन के लिए आम आदमी पार्टी को हमारी शुभकामनाएं। एएपी के प्रचार को लोगों ने नोटिस किया और उनका संपर्क का तरीका प्रभावशाली था। लेकिन अभी यह देखना बाकी है कि निराशावाद पर आधारित प्रचार क्या लंबे समय तक रह सकता है। मैं इन चुनावों में पार्टी संगठन की जीत के

लिए अपनी पार्टी के अध्यक्ष श्री राजनाथ सिंह जी को भी बधाई देना चाहता हूं। श्री नरेन्द्र मोदी जिन्होंने सभी राज्यों में घूम–घूमकर चुनाव प्रचार किया बधाई के पात्र हैं।

ये परिणाम हमें लोकसभा के लिए अगले प्रचार की तरफ ले जाते हैं। इस विधानसभा खंड में 72 संसदीय सीटों पर चुनाव हुआ। भाजपा ने करीब 65 पर विजय हासिल की। अगले लोकसभा चुनाव में मुकाबला मुख्य रुप से भाजपा और कांग्रेस के बीच होगा। यह परिणाम भविष्य के लिए संकेत देते हैं। कुल मिलाकर इन चुनावों में हमारी उखाड़ फेंकने की दर 70 प्रतिशत रही। यह कोई औसत उपलब्धि नहीं है।